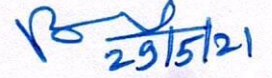
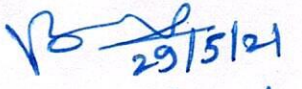


## सैद्धांतिक प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	बी० एस० ंडब्ल्यू०	वर्ष: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-2022.
विषय: समाजकार्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	<b>A1-SOWKIT</b>	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	<b>वृत्तिक समाजकार्य का परिचय</b>	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स (प्रश्न पत्र 1)	
4	पूर्वपिछा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र द्वारा किसी भी विषय से अध्ययन कर कक्षा 12वीं/ समकक्ष प्रमाण पत्र / डिप्लोमा प्राप्त किया हो ।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस कोर्स के पूरा होने पर छात्र - <ul style="list-style-type: none"> <li>• समाज कार्य की मूलभूत अवधारणाओं को समझने में सक्षम होंगे ।</li> <li>• समाज कल्याण से सम्बंधित विभिन्न शब्दावलियों के बारे में ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे ।</li> <li>• समाज कार्य को एक व्यवसाय के रूप में समझकर अपना पाएंगे ।</li> </ul>	
6	क्रेडिट मान	6	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या- 90 ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 3-0-0			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
I,	<b>समाजकार्य का वैचारिक परिप्रेक्ष्य</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. समाज कार्य – अर्थ एवं परिभाषा ।</li> <li>2. समाजकार्य की विशेषताएँ ।</li> <li>3. समाजकार्य का दर्शन ।</li> <li>4. समाजकार्य के उद्देश्य ।</li> <li>5. वृत्तिक समाजकार्य कि मौलिक मान्यतायें एवं भ्रान्तियां</li> </ol>	10 व्याख्यान	
II.	<b>समाजकार्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. इंग्लैण्ड में समाजकार्य का इतिहास।</li> <li>2. अमेरिका में समाजकार्य का इतिहास ।</li> <li>3. भारत में समाजकार्य का इतिहास।</li> </ol>	10 व्याख्यान	

  
 29/5/21  
 Dr. Vivek Bapat

III.	<b>समाज कल्याण की मूल शब्दावलिां</b> 1. समाज कल्याण – अर्थ एवं परिभाषा । 2. समाज कल्याण के उद्देश्य । 3. सम्बंधित शब्दावली : समाज कल्याण ,समाज कल्याण सेवा, समाज सेवा, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक सुधार, सामाजिक प्रतिरक्षा , सामाजिक नीति, सामाजिकल्याण संस्थाये : शासकीय एवं अशासकीय संस्थाएं ।	20 व्याख्यान
IV.	<b>वृत्तिक कार्य के रूप में समाजकार्य</b> 1. वृत्तिक कार्य का अर्थ और परिभाषा। 2. वृत्तिक कार्य के रूप में समाजकार्य का अर्थ और विशेषताएँ । 3. वृत्तिक समाजकार्य: आचार संहिता । 4. वृत्तिक समाजकार्य के सिद्धांत एवं मूल्य । 5. वृत्तिक समाजकार्य के तकनीक एवं निपुणताएँ । 6. समाजकार्य की विधियाँ ।	25 व्याख्यान
V.	<b>वृत्तिक समाजकार्य की स्थिति</b> 1. समाजकार्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध। 2. वैश्वीकरण एवं समाजकार्य । 3. विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका एवं कार्य । 4. समाजकार्य में व्यावसायिक संघ की भूमिका । 5. भारत में समाजकार्य शिक्षा की स्थिति एवं चुनौतियाँ। 6. भारत में व्यावसायीकरण की समस्याएं समाजकार्य के विशेष सन्दर्भ में।	25व्याख्यान
<b>सार बिंदु (की वर्ड)/टिग:</b> समाजकार्य, समाजकार्य का इतिहास, समाज कल्याण, समाजकार्य व्यवसाय ।		

  
 29/5/21  
 Dr. Vivek Bapat

**भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:**

1. तिलारा कुँवरसिंह, समाजकार्य सिद्धांत और व्यवहार, प्रकाशन केन्द्र लखनऊ ।
2. सचदेवा डी.आर , भारत में समाज कल्याण प्रशासन, किताब महल, इलाहबाद ।
3. शास्त्री राजाराम, समाजकार्य, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ ।
4. मदन जी.आर., समाजकार्य, विवेक प्रकाशन दिल्ली ।
5. कुमार गिरीश, समाजकार्य के क्षेत्र, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानवसंसाधन विकास आयोग, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ ।
6. पाण्डेय बालेश्वर, शुक्ल भारती, समाज कार्य एक समग्र दृष्टि, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानवसंसाधन विकास आयोग, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ ।
7. पाण्डेय बालेश्वर, समाजकार्य : सिद्धांत एवं पद्धतियाँ, रावत पब्लिकेशन, जयपुर ।
8. सिंह सुरेन्द्र, मिश्रा पी.डी, समाजकार्य : इतिहास दर्शन प्रणालियाँ, न्यू रायल बुक कम्पनी ।

**2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक**[http://cmcldp.org/userfiles/Book%20-%20Introduction%20to%20social%20work\(2\).pdf](http://cmcldp.org/userfiles/Book%20-%20Introduction%20to%20social%20work(2).pdf)<http://egyankosh.ac.in/handle/123456789/2070><http://www.ignouhelp.in/ignou-bswe-01-study-material/>**अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:****भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:****अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:**

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

<b>आंतरिक मूल्यांकन:</b>	क्लास टेस्ट	15
<b>सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):</b>	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	10
		<b>कुल अंक :25</b>
<b>आकलन :</b>	<b>अनुभाग (अ):</b> तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	03 x 03 = 09
<b>विश्वविद्यालयीन परीक्षा:</b>	<b>अनुभाग (ब):</b> चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)	04 x 09 = 36
<b>समय- 02.00 घंटे</b>	<b>अनुभाग (स):</b> दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	02 x 15 = 30
		<b>कुल अंक 75</b>

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Dr. Vivek Bapat  
29/5/21

## Syllabus of Theory Paper

<b>Part A Introduction</b>			
Program: Certificate	Class: BSW	Year: 1 <sup>st</sup> Year	Session: 2021-2022
Subject: Social Work			
1	Course Code	A1-SOWK1T	
2	Course Title	Introduction to Professional Social Work	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Core Course (Paper - 1)	
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student can have any subject in class 12 <sup>th</sup> / Equivalent Certificate / Diploma.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	On the completion of this course students will be able- <ul style="list-style-type: none"> <li>To Understand the Fundamental Concepts of Social Work.</li> <li>To Acquire the Knowledge about varied fundamental terms of Social Welfare.</li> <li>To Recognize and adopt Social Work as a Profession.</li> </ul>	
6	Credit Value	6	
7	Total Marks	Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:33
<b>Part B- Content of the Course</b>			
Introduction to Professional Social Work			
Total No. of Lectures =90 (3 hours/lectures per week):3-0-0			
Unit	Topics	No. of Lectures	
I.	<b>Conceptual Perspective of Social Work</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Social Work- Meaning and Definition.</li> <li>2. Characteristics of Social Work.</li> <li>3. Philosophy of Social Work.</li> <li>4. Objectives of Social Work.</li> <li>5. Basic Assumptions and Misconceptions regarding Social Work Profession.</li> </ol>	10 Lectures	
II.	<b>Historical Background of Social Work</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. History of Social Work in England.</li> <li>2. History of Social Work in U.S.A.</li> <li>3. History of Social Work in India.</li> </ol>	10 Lectures	
III.	<b>Basics of Social Welfare</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Social Welfare- Meaning and Definition.</li> <li>2. Objectives of Social Welfare.</li> <li>3. Related Terms: Social Welfare, Social Welfare Service, Social Service, Social Security, Social Reform, Social Defense, Social Policy, Social Welfare Agency: GOs &amp; NGOs.</li> </ol>	20 Lectures	
IV.	<b>Social Work as Profession</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Meaning and Definition of Profession.</li> <li>2. Social Work as Profession: Meaning and Characteristics.</li> <li>3. Professional Social Work: Code of Ethics.</li> </ol>	25 Lectures	

  
 29/5/21  
 Dr. Vivek Bapat

	<ol style="list-style-type: none"> <li>4. Principles &amp; Values of Professional Social Work.</li> <li>5. Skills and Techniques of Social Work.</li> <li>6. Methods of Social Work.</li> </ol>	
V.	<p><b>Status of Professional Social Work</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Relation of Social Work with Other Social Sciences.</li> <li>2. Globalization and Social Work.</li> <li>3. Role &amp; Functions of Social Worker in Different Fields.</li> <li>4. Role of Professional Associations in Social Work.</li> <li>5. Status and Challenges of Social Work Education in India.</li> <li>6. Challenges of Professionalization in India with reference to Social Work.</li> </ol>	<p>25 Lectures</p>
<p><b>Keywords/Tags:</b> Social Work, History of Social Work, Social Welfare, Social Work Profession.</p>		

  
 29/5/21  
 Dr. Vivek Bapat

Department of Higher Education

## Part C-Learning Resources

### Text Books, Reference Books, Other resources

#### 1. Suggested Readings:

1. Dasgupta Sugata, Towards a Philosophy of Social Work in India.
2. Friedlander W.A., Introduction to Social Welfare, New York, Prentice, Hall, 1955.
3. Gore MS, Social Work and Social Work Education.
4. Mishra PD, Social Work: Philosophy and Methods, Inter India Publications, New Delhi, 2005.
5. Sachdeva, Bharat Me Samaj Kalyan Prashasan, KitabMahal, Allahabad, 2010.
6. Shastri Rajaram, Samaj Kary, Uttar Pradesh Hindi Sansthan, Lucknow.
7. Titus Richard M -Commitment to Welfare, Ruskin House, London.

#### 2. Suggestive digital platforms web links

1. <http://www.ignouhelp.in/ignou-bswe-01-study-material/>
2. <http://www.egyankosh.ac.in/handle/123456789/17063>
3. <http://egyankosh.ac.in/handle/123456789/2070>
4. <http://www.egyankosh.ac.in/handle/123456789/17079>
5. <http://www.egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/17106/1/Unit-3.pdf>
6. [https://kkhsou.ac.in/eslm/E-SLM-for-Learner/5th%20Sem/Bachelor%20Degree/BSW/HPSW/HPSW-3\\_-\\_with\\_changes\\_incorporated.pmd.pdf](https://kkhsou.ac.in/eslm/E-SLM-for-Learner/5th%20Sem/Bachelor%20Degree/BSW/HPSW/HPSW-3_-_with_changes_incorporated.pmd.pdf)
7. <https://www.slideshare.net/LIBINJOMATHEW/history-of-social-work-in-india>
8. <http://dsc.du.ac.in/wp-content/uploads/2020/04/BASIC-CONCEPTS-OF-SOCIAL-WELFARE-converted.pdf>
9. [http://cmclpd.org/userfiles/Book%20-%20Introduction%20to%20social%20work\(2\).pdf](http://cmclpd.org/userfiles/Book%20-%20Introduction%20to%20social%20work(2).pdf)

## Part D-Assessment and Evaluation

### Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks

<b>Internal Assessment :</b> Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25	Class Test Assignment/Presentation	15 10
<b>External Assessment :</b> University Exam Section: 75 Time : 02.00 Hours	<b>Section(A) :</b> Three Very Short Questions (50 Words Each) <b>Section (B) :</b> Four Short Questions (200 Words Each) <b>Section (C) :</b> Two Long Questions (500 Words Each)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 Total 75

Any remarks/ suggestions:

VB  
29/5/21  
Dr. Vivek Bapat

## सैद्धांतिक प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	बी० एस० डब्ल्यू०	वर्ष: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-2022.
विषय: समाजकार्य			
<b>1</b>	पाठ्यक्रम का कोड	<b>A1-SOWK2T</b>	
<b>2</b>	पाठ्यक्रम का शीर्षक	<b>समकालीन भारतीय समाज का परिचय</b>	
<b>3</b>	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स (प्रश्न पत्र 2)	
<b>4</b>	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र किसी भी विषय से अध्ययन कर कक्षा 12वीं/ समकक्ष प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा प्राप्त किया हो।	
<b>5</b>	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस कोर्स के पूरा होने पर छात्र - <ul style="list-style-type: none"> <li>• भारतीय समाज के वैचारिक परिप्रेक्ष्य को समझने के लिए सक्षम होंगे।</li> <li>• सामाजिक समूह और सामाजिक संस्थाओं की मूल बातें जानेंगे।</li> <li>• समाज की इकाइयों को पहचानेंगे।</li> <li>• सामाजिक व्यवस्था की अवधारणाओं को समझेंगे।</li> <li>• समाज के अनिवार्य तत्वों को सीखेंगे।</li> </ul>	
<b>6</b>	क्रेडिट मान	<b>5</b>	
<b>7</b>	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
समकालीन भारतीय समाज का परिचय			
व्याख्यान की कुल संख्या- 75 ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 3-0-0			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
<b>I.</b>	<b>समाज का वैचारिक परिप्रेक्ष्य</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. समाज : अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, प्रकार, कार्य।</li> <li>2. समाज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: वैदिक काल, मुगलकाल, आधुनिक काल</li> <li>3. भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय रूपरेखा।</li> <li>4. समाज के सिद्धांत।</li> </ol>	10 व्याख्यान	
<b>II.</b>	<b>सामाजिक समूह और सामाजिक संस्थाओं के मूल तत्व</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. सामाजिक समूह : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं, महत्व।</li> <li>2. समूह के प्रकार : प्राथमिक समूह, द्वितीयक समूह, संदर्भ समूह।</li> <li>3. सामाजिक संस्था: अर्थ परिभाषा, विशेषताएं, महत्व।</li> <li>4. सामाजिक संस्थाएं: परिवार विवाह, शिक्षा, धर्म, संपत्ति।</li> </ol>	10 व्याख्यान	
<b>III.</b>	<b>समाज की इकाइयाँ</b>	15 व्याख्यान	

  
 29/5/21  
 Dr. Vivek Bapat

	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. सामाजिक प्रतिमान : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ एवं समाज में भूमिका ।</li> <li>2. सामाजिक प्रतिमानों का वर्गीकरण : संस्कृति, परंपराएँ, लोकरीति, प्रथाएँ, लोकाचार ।</li> <li>3. समुदाय : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ एवं महत्व ।</li> <li>4. सामाजिक संगठन: अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ एवं महत्व ।</li> </ol>	
IV.	<p><b>सामाजिक व्यवस्था की अवधारणा</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. सामाजिक स्तरीकरण : अवधारणा महत्व एवं स्वरूप ।</li> <li>2. प्रस्थिति और भूमिकाएँ: अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ एवं महत्व ।</li> <li>3. जाति, वर्ग, नस्ल, सामाजिक गतिशीलता : अर्थ, परिभाषा, विशेषता एवं समाज में भूमिका ।</li> <li>4. सामाजिक संरचना: अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ ।</li> <li>5. सामाजिक व्यवस्था: अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, संरचना एवं कार्य</li> </ol>	20 व्याख्यान
V.	<p><b>समाज की अनिवार्यताएँ</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. सामाजिक प्रक्रिया: अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ एवं महत्व।</li> <li>2. सामाजिक प्रक्रिया के स्वरूप : समायोजन सत्मीकरण, प्रतिस्पर्धा, संघर्ष, सहयोग</li> <li>3. सामाजिक नियंत्रण: माध्यम एवं प्रकार, अवधारणा :</li> <li>4. सामाजिक परिवर्तन विशेषताएँ, परिभाषा, अर्थ : विशेषताएँ, प्रकार ।</li> <li>5. समाजीकरण, पश्चिमीकरण, संस्कृतिकरण, उदारीकरण, वैश्वीकरण, आधुनिकीकरण निजीकरण ।</li> <li>6. राज्य । भूमिका एवं कार्य, तत्व, अर्थ :</li> <li>7. कल्याणकारी राज्य की अवधारणा एवं प्रजातंत्र का वर्तमान स्वरूप ।</li> </ol>	20 व्याख्यान
<p><b>सार बिंदु (की वर्ड) टैग:</b> समाज, सामाजिक समूह, सामाजिक संस्थाएँ, समुदाय, सामाजिक संगठन, सामाजिक संरचना, सामाजिक व्यवस्था, सामाजिक स्तरीकरण, सामाजिक नियंत्रण, सामाजिक परिवर्तन।</p>		

  
 29/5/21  
 Dr. Vivek Bapat



भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:		
<ol style="list-style-type: none"> <li>1. मुखर्जी रविन्द्रनाथ, भारत में सामाजिक परिवर्तन, विवेक प्रकाशन, दिल्ली ।</li> <li>2. गुप्ता एवं शर्मा, समाजशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, दिल्ली ।</li> <li>3. अग्रवाल गोपाल कृष्ण, भारतीय सामाजिक संस्थाएं, आगरा बुक स्टोर, आगरा ।</li> <li>4. गुप्ता एम्.एल. एवं शर्मा डी.डी, भारतीय समाज एवं सामाजिक संस्थाएं, साहित्य भवन, आगरा ।</li> </ol>		
2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक		
<ol style="list-style-type: none"> <li>1. <a href="http://egyankosh.ac.in/handle/123456789/2418">http://egyankosh.ac.in/handle/123456789/2418</a></li> <li>2. <a href="http://cmclpd.org/userfiles/Book%20-%20Introduction%20to%20social%20work(2).pdf">http://cmclpd.org/userfiles/Book%20-%20Introduction%20to%20social%20work(2).pdf</a></li> </ol>		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:		
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:		
अधिकतम अंक: 100		
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75		
आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	15
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	10
		<b>कुल अंक :25</b>
आकलन :	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	03 x 03 = 09
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	04 x 09 = 36
समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	02 x 15 = 30
		<b>कुल अंक 75</b>
कोई टिप्पणी/सुझाव:		

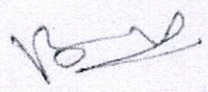
  
 29/5/21  
 Dr. Vivek Bapat

## Syllabus of Theory Paper

Part A Introduction			
Program: Certificate	Class: BSW	Year: 1 <sup>st</sup> Year	Session: 2021-2022
Subject: Social Work			
1	Course Code	A1-SOWK2T	
2	Course Title	Introduction to Contemporary Indian Society	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Core Course (Paper-2)	
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student can have any subject in class 12 <sup>th</sup> / Equivalent certificate / Diploma.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	On the completion of this course students will be able- <ul style="list-style-type: none"> <li>• To understand the Conceptual Perspectives of Indian Society.</li> <li>• To acquire the Basic understanding of Social Groups and Social Institutions.</li> <li>• To know the Units of Society.</li> <li>• To Study the Concepts of Social System.</li> <li>• To Learn Essential Elements of Society.</li> </ul>	
6	Credit Value	5	
7	Total Marks	Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:33
Part B- Content of the Course			
Introduction to Contemporary Indian Society			
Total No. of Lectures- 75 Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 3-0-0			
Unit	Topics	No. of Lectures	
I.	<b>Conceptual Perspectives of Society</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Society : Meaning, Definition, Nature, Types, Functions.</li> <li>2. Historical Development of Society :Vaidic Period, Mughal Period, Modern Period.</li> <li>3. Demographic Profile of Indian Society.</li> <li>4. Theories of Society.</li> </ol>	10 Lectures	
II.	<b>Basic Understanding of Social Groups and Social Institutions</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Social Group : Meaning, Definition, Characteristics, Importance.</li> <li>2. Types of Group : Primary Group, Secondary Group, Reference Group.</li> <li>3. Social Institution : Meaning, Definition, Characteristics, Importance.</li> <li>4. Social Institutions : Family, Marriage, Education, Religion, Property.</li> </ol>	10 Lectures	
III.	<b>Units of Society</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Social Norms : Meaning, Definition, Characteristics and its Role in Society.</li> <li>2. Classification of Social Norms: Culture, Traditions, Folkways, Customs, Mores.</li> <li>3. Community : Meaning, Definition,</li> </ol>	15 Lectures	

  
 29/5/21  
 Dr. Virek Bapat

	<p>Characteristics and Importance.</p> <p>4. Social Organization : Meaning, Definition, Characteristics and Importance.</p>	
IV.	<p><b>Concepts of Social System</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Social Stratification :Concept, Importance and Forms.</li> <li>2. Status and Roles : Meaning, Definition, Characteristics, Importance.</li> <li>3. Caste, Class, Race, Social Mobility : Meaning, Definition, Characteristics and its Role in Society.</li> <li>4. Social Structure : Meaning, Definition, Characteristics.</li> <li>5. Social System : Meaning, Definition, Characteristics, Structure and Function.</li> </ol>	20 Lectures
V.	<p><b>Essential Elements of Society</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Social Process : Meaning, Definition, Characteristics, Importance.</li> <li>2. Forms of Social Process : Cooperation, Accommodation, Assimilation, Competition and Conflict.</li> <li>3. Social Control : Concept, Means and Types.</li> <li>4. Social Change :Meaning, Definition, Characteristics, Types.</li> <li>5. Socialization, Sanskretization, Westernization, Modernization, Globalization, Liberalization, Privatization.</li> <li>6. State : Meaning, Element, Role and Functions.</li> <li>7. Concept of Welfare State and Present Trend of Democracy.</li> </ol>	20 Lectures
<p><b>Keywords/Tags:</b> Society, Social Group, Social Institutions, Community, Social Organization, Social Structure, Social System, Social Stratification, Social Control, Social Change.</p>		

  
 Dr. Vivek Bapat

## Part C-Learning Resources

### Text Books, Reference Books, Other resources

#### Suggested Readings:

1. Ahuja Ram: Social problems in India (Jaipur, Rawat Publication 1992)
2. Bhusan, Vidya&Sachdev, (2006), *An introduction to sociology*. Allahabad, KitabMahal.
3. Davis K : ManavSamaj(Allahabad:Kitab Mahal-1973)
4. Gupta ML:SamajShastra(Agra:SahityaBhavan Publicaion,2010)
5. Harry. M. Johns, (1993). *Sociology: A systematic introduction*. Chennai: Allied Publications
6. Horton ,P.S& Hunt, C. L. (2005). *Sociology*. New Delhi: Tata McGraw Hill
7. Johnson HM: Sociology A Systematic Introduction(Bombay: Allied Publishers,)
8. Mac Iver and Page: Society-An Introductory Analysis(London-Mac Millen 1955)
9. Madan, GR :Indian Social problem, Vol. 1 and 2
10. Shankar Rao CN: Sociology(S Chand &Company, New dwlhi2006)

#### 2. Suggestive digital platforms web links

1. <http://www.egyankosh.ac.in/handle/123456789/17065>
2. <http://www.ignouhelp.in/ignou-bsw-study-material/>
3. <http://www.rahul-edr.org/pdf/Self-Learning-Materials/Course-2.pdf>
4. <http://egyankosh.ac.in/handle/123456789/2418>
5. <https://www.slideshare.net/DrJBalamuruganPhD/social-stratification-30789892>
6. <https://www.yourarticlelibrary.com/sociology/social-processes-the-meaning-types-characteristics-of-social-processes/8545>
7. [http://cmcldp.org/userfiles/Book%20-%20Introduction%20to%20social%20work\(2\).pdf](http://cmcldp.org/userfiles/Book%20-%20Introduction%20to%20social%20work(2).pdf)

#### Suggested equivalent online courses:

## Part D-Assessment and Evaluation


#### Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks

<b>Internal Assessment :</b> Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25	Class Test Assignment/Presentation	15
		10
<b>External Assessment :</b> University Exam Section: 75 Time : 02.00 Hours	<b>Section(A) :</b> Three Very Short Questions (50 Words Each) <b>Section (B) :</b> Four Short Questions (200 Words Each) <b>Section (C) :</b> Two Long Questions (500 Words Each)	03 x 03 = 09  04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 Total 75

#### Any remarks/ suggestions:

  
29/5/21  
Dr. Vivek Bapat

## प्रायोगिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	बी० एस० ंडब्ल्यू०	वर्ष: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-2022.
विषय: समाजकार्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	<b>A1-SOWK2P</b>	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	<b>समकालीन भारतीय समाज का परिचय</b>	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स (प्रश्न पत्र 2)	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र किसी भी विषय से अध्ययन कर कक्षा 12वीं/ समकक्ष प्रमाण पत्र / डिप्लोमा प्राप्त किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस कोर्स के पूरा होने पर छात्र - <ul style="list-style-type: none"> <li>• विभिन्न कल्याणकारी संगठनों में किये जा रहे समाज कार्य का व्यवहारिक अनुभव प्राप्त कर पाएंगे।</li> <li>• सामाजिक विकास में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं की भूमिका तथा सामाजिक व्यवस्था से अवगत हो पाएंगे।</li> </ul>	
6	क्रेडिट मान	<b>1</b>	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 50+50	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 20+20
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
<b>व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:</b>			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
	<p>प्रथम वर्ष के फील्ड कार्य पाठ्यक्रम की शुरुआत में छात्र, सामाजिक कल्याणकारी संस्थाओं में संचालित विभिन्न गतिविधियों के प्रति व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने हेतु छात्रों द्वारा उन्मुखीकरण भ्रमण किया जायेगा। भ्रमण में किये गये अवलोकन का रिपोर्ट लेखन करना होगा। छात्र को पूरे वर्ष के दौरान कम से कम पांच उन्मुखीकरण भ्रमण करना होगा और संगठनों के कार्यक्रमों के बारे में बुनियादी समझ विकसित करनी होगी। उन्मुखीकरण भ्रमण किसी भी सामाजिक कार्य/कल्याण संगठन जैसे गैर सरकारी संगठन, आंगनवाड़ी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, लघु उद्योग, पुलिस स्टेशन, मानवाधिकार संगठन, श्रम संगठन, पुनर्वास केंद्र आदि में किया जा सकता है। इन क्षेत्रीय उन्मुखीकरण भ्रमणों का बाह्य परीक्षक, जो समाजकार्य विषय विशेषज्ञ हो के द्वारा आकलन करने की अनिवार्यता होगी।</p>	विभिन्न संगठनों में न्यूनतम पांच दौरे।	
<b>सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:</b>			
भाग स- अनुशासित अध्ययन संसाधन			
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन			
<b>अनुशासित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:</b>			
1. कुमार गिरीश, समाजकार्य के क्षेत्र, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानवसंसाधन विकास आयोग, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।			

  
 29/5/21  
 Dr. Vivek Bapat

2. पाण्डेय बालेश्वर, शुक्ल भारती, समाज कार्य एक समग्र दृष्टि, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानवसंसाधन विकास आयोग, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
3. पाण्डेय बालेश्वर, समाजकार्य : सिद्धांत एवं पद्धतियाँ, रावत पब्लिकेशन, जयपुर।
4. सिंह सुरेन्द्र, मिश्रा पी.डी., समाजकार्य : इतिहास दर्शन प्रणालियाँ, न्यू रायल बुक कम्पनी।
5. सक्सेना आर. सी., श्रमिकों की समस्या एवं समाजकार्य, दरियागंज न्यू दिल्ली, 1971.
6. मल्होत्रा एस.एन., भारत में श्रमिक समस्या, एस चाँद एण्ड कंपनी लिमिटेड, न्यू दिल्ली।

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:


1. क्षेत्रीय उन्मुखीकरण भ्रमणों की रिपोर्ट 50 अंक।
2. मौखिक परीक्षा ( बाह्य परीक्षक) 50 अंक।

आंतरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कोई टिप्पणी/सुझाव:			

  
29/5/21  
Dr. Vivek Bapat

## Syllabus of Practical Paper

Part A Introduction			
Program: Certificate	Class: B.S.W.	Year: 1 <sup>st</sup> Year	Session: 2021-2022
Subject: Social Work			
1	Course Code	A1-SOWK2P	
2	Course Title	Introduction to Contemporary Indian Society	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Core Course (Paper - 2)	
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student can have any subject in class 12 <sup>th</sup> / Equivalent certificate/Diploma.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	After these orientation visits the student will be able to have: <ul style="list-style-type: none"> <li>The practical exposure to various social work settings.</li> <li>Exposure and orientation to the social systems and role of various organisations in social development.</li> </ul>	
6	Credit Value	1	
7	Total Marks	Max. Marks: 50+50	Min. Passing Marks: 20+20
Part B- Content of the Course			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:			
Unit	Topics	No. of Lectures	
	In the beginning of the course in the first year practical exposure is limited to orientation visits by the student. This will comprises of observation visit and report writing. The student has to make minimum five visits during the entire year and develop basic understanding about working of organisations. This will be a general visit to any Social Work/ Welfare Organisation such as, Non Governmental Organisations, Aanganwadi, Primary health centre, Small scale industries, Police stations, Human-rights organisation, Labour organisation, Rehabilitation Centres, etc. After submission of the report External Viva will be compulsory to assess the Field Work performance.	Minimum five visits in different organisations.	
<b>Keywords/Tags:</b> Orientation visits, Non Government Organization, Government Organization, Welfare Organization, Observation, Report Writing.			
Part C-Learning Resources			
Text Books, Reference Books, Other resources			
<b>Suggested Readings:</b>			
<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Dubois, Brenda, Krogsrud, Karla, Micky - Third Edition. (1999). Social work - An empowering profession. London : Allyn and Bacon.</li> <li>2. Fink, Arthur et al. The fields of social work. Beverly Hills, Calif: Sage Publications, 1985.</li> <li>3. Rameshwari Devi and Ravi Prakash, Social work practice. Jaipur : Mangal Deep Publications, 2000.</li> </ol>			

  
 29/5/21  
 Dr. Vivek Bapat

4. Sheaffer Bradford, Social work: A profession of many faces (5thed.) Boston: Allyn & Bacon, 1989.

**Suggestive digital platforms web links**

**Suggested equivalent online courses:**

**Part D-Assessment and Evaluation**

**Suggested Continuous Evaluation Methods:**

1. Report writing on Observation 50 Marks
2. Viva – Voce (External Examiner) 50 Marks.

Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks

**Any remarks/ suggestions:**

*RB*  
23/5/21  
Dr. Vivek Bapat